

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

ABN[C]DE
13.31.61. A'
Vulg. Syr. P. H.
Memph. Theb.
Arm. Æth.
a Lu. 1: 1.
§ C
b Matt. 28: 17.
Mar. 16: 12, 14.
Lu. 24: 31, 36.
Jo. 20: 19, 26.
21: 4.
c Lu. 24: 49.

1 Ἰ¹ Τὸν μὲν ^aπρῶτον λόγον ἐποίησάμην περὶ πάντων ὧ Θεόφιλε, ὧν ἤρξατο ἰ¹ Ἰησοῦς ποιεῖν τε καὶ διδάσκειν ² ἄχρι ἧς ἡμέρας ἐντειλάμενος τοῖς ἀποστόλοις διὰ ³ πνεύματος ἁγίου, οὓς ἐξελέξατο, ἀνελήμφθη. ³ οἷς καὶ παρέστησεν ἑαυτὸν ζῶντα μετὰ τὸ παθεῖν αὐτὸν ἐν πολλοῖς τεκμηρίοις, δι' ἡμερῶν ἰ¹ τεσσαράκοντα^a ὀπτανόμενος αὐτοῖς, καὶ λέγων τὰ περὶ τῆς βασιλείας τοῦ θεοῦ. ⁴ καὶ συναλιζόμενος^c παρηγγελεν αὐτοῖς ἀπὸ Ἱεροσολύμων μὴ χωρίζεσθαι, ἀλλὰ περιμένειν τὴν ἐπαγγελίαν τοῦ πατρὸς, ἣν ἠκούσατέ μου. ⁵ ὅτι ἰ¹ Ἰωάνης^b μὲν ἐβάπτισεν ὕδατι, ὑμεῖς δὲ ἰ¹ ἐν πνεύματι βαπτισθήσεσθε ἁγίῳ,^c οὐ μετὰ πολλὰς ταύτας ἡμέρας. ⁶ οἱ μὲν οὖν συνελθόντες

¹ Primum quidem sermonem feci de omnibus, o Theophile, quae coepit Iesus facere et docere, ² usque in diem qua praecipiens apostolis per spiritum sanctum quos elegit adsumtus est: ³ quibus et praebuit se ipsum vivum post passionem suam in multis argumentis, per dies quadraginta apprensus eis et loquens de regno dei: ⁴ et convescens praecipit eis ab Hierosolymis ne discederent, sed expectarent promissionem patris, quam audistis per os meum, ⁵ quia Iohannes quidem baptizavit aqua, vos autem baptizabimini spiritu sancto non post multos hos dies. ⁶ Igitur qui conve-

Inscriptio.
ΠΡΑΞΕΙΣ Ν
ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ BBch. Mai D.
Πραξεις των αποστολων 31. 61. B^Uly.
Λουκα εναγγελιστου πραξεις των αγιων
αποστολων 13.
Deest in AE. (hiat C.)
1. Ἰησοῦς] † praem. ὁ ς. ANE. 13. 31.
61. Orig. iv. 6^b. | om. BD. (C n. l.)
2. ἐξελέξατο] add. και εκεινεσ κηρυσσεν
το εναγγελιον D. (Lux.) Syr. Hel. mg.
"et praecipit praedicare evangelium"
Aug. c. Epist. Manichaei." ix. 10 (Ed.
Bass. x. 188). Act. c. Fel. Manich. I.
iv. (x. 568) "mandans eis praedicare
Evangelium." c. Donatist. xi. 27 (xii.
449). "qua praecipiens apostolis per
Spiritum sanctum praedicare Evange-
lium quos et eligit" Lux. | add. praedi-
care Evangelium, Theb.
— ἀνελήμφθη] ante ἐντειλάμενος D. Syr.
Pst. & Hel. mg. Theb.
3. οἷς] ὁ Ἰϛ C.

3. ἰ¹] om. D*.
— ἡμερῶν] post τεσσαράκοντα D* (vid.
Tert. Apol. 21.) | ante Orig. i. 434^d. Eus.
Ecl. Pr. 163. Eus. ad Mar. suppl. (Mai
296, 7.)
— τεσσαράκοντα AB²NCD. 61. | † τεσσαρ.
ς B²E. 13. 31.
— ὀπτανόμενος Orig. i. 434^d. Eus. D.E.
400^d. Ecl. Pr. 163. ad Mar. suppl. (Mai
296, 8) | -μενοις D*. | (ὀπτανόμενος
E.)
— τα Orig. i. Eus. D.E. Ecl. Pr. ad Mar.
bis. | τας D*.
4. συναλιζόμενος ABNCE. 13. 61. Eus.
D.E. (Gaisford) 400^d. Eus. Ecl. Pr.
104. 163. | συναλιζόμενος 31. Eus. D.E.
edd. 400^d, ad Mar. suppl. (Mai 296, 8)
| συναλισκομενος D*. | συναλισγομενος
D² (et salem-sumens cum eis, Syr. Hel.
|| add. μετ' αυτων D. Lux. Syr. Pst. &
Hel. Memph. Theb. Arm. Æth. | add.
αυτοις Eus. Ecl. Pr. 104. | om. rel. Eus.
D.E. Ecl. Pr. 163.

3 R

4. παρηγγ. ante αυτοις BND. 13. 31. 61.
Vulg. Syr. Pst. & Hel. Memph. Theb.
Arm. Eus. Ecl. Pr. | post ACE. (παρηγγ-
γελλεν E Gr.)
— ηκουσατε] ηκουσα D*. || add. φησιν δια
του στοματος D*, Vulg., Cl. Lux. Æth.
(om. φησιν Am. Fuld.)
5. ab init. dixit Theb.
— Ιωανης BD.
— εν πνευμ. βαπτισθησθε αγιω B²N*
61. | εν πν. αγιω βαπτισθ. D. Hil. 964^d.
| † βαπτισθ. εν πνευμ. αγιω ς. AN²CE.
13. 31. Vulg. Syr. Pst. & Hel. Memph.
Theb. Arm. Orig. i. 731^c. Orig. Int. iii.
961^c. (vid. cap. xi. 16.) || add. και ο
μελλετε λαμβανειν D² Tol. Hil. | om.
Orig. et Int.
— ημερωσ] add. εως της πενηκοστης
D*. Theb. Aug. (ter.)
6. συνελθοντες] ελθοντες N* (corr. c.)

4. audistis (inquit) Cl. | 5. baptizamini Am.

489

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

I. 7.

ABNCDE.
13.31.61.

† ἡρώτων" αὐτὸν λέγοντες, Κύριε, εἰ ἐν τῷ χρόνῳ
πρώτῳ ἀποκαθιστάνεις τὴν βασιλείαν τῷ Ἰσραὴλ;
† εἶπεν † πρὸς αὐτοὺς, Οὐχ ὑμῶν ἐστὶν γνῶναι χρόνους
ἢ καιροὺς οὓς ὁ πατὴρ ἔθετο ἐν τῇ ἰδίᾳ ἐξουσίᾳ,⁸ ἀλλὰ
λήμψεσθε δύναμιν ἐπελθόντος τοῦ ἁγίου πνεύματος
ἐφ' ὑμᾶς, καὶ ἔσεσθέ † μου" μάρτυρες ἐν τε Ἱερουσα-
λήμῃ καὶ [ἐν] πάσῃ τῇ Ἰουδαίᾳ καὶ Σαμαρείᾳ καὶ ἕως
ἐσχατοῦ τῆς γῆς.⁹ † καὶ ταῦτα εἰπὼν βλεπόντων
αὐτῶν ἐπήρθη, καὶ νεφέλῃ ὑπέλαβεν αὐτὸν ἀπὸ τῶν
ὀφθαλμῶν αὐτῶν.¹⁰ † καὶ ὡς ἀνερίζοντες ἦσαν εἰς τὸν
οὐρανὸν πορευομένου αὐτοῦ, καὶ ἰδοὺ ἄνδρες δύο
παρεστήκεισαν αὐτοῖς ἐν † ἐσθήσεσι λευκαῖς,¹¹ οἱ
καὶ † εἶπαν", Ἄνδρες Γαλιλαῖοι, τί ἐστήκατε † βλέ-
ποντες" εἰς τὸν οὐρανόν; οὗτος ὁ Ἰησοῦς ὁ ἀναλημ-
φθεὶς ἀφ' ὑμῶν εἰς τὸν οὐρανὸν οὕτως ἐλεύσεται ὃν
τρόπον ἐθεάσασθε αὐτὸν πορευόμενον εἰς τὸν οὐρανόν.
¹² † τότε ὑπέστρεψαν εἰς Ἱερουσαλὴμ ἀπὸ ὄρους τοῦ
καλουμένου Ἐλαιῶνος, ὃ ἐστὶν ἐγγὺς Ἱερουσαλὴμ,
σαββάτου ἔχον ὁδόν.¹³ † καὶ ὅτε εἰσῆλθον, † εἰς τὸ
ὑπερῶν ἀνέβησαν," οὗ ἦσαν καταμένοντες, ὃ τε Πέ-
τρος καὶ † Ἰωάννης καὶ Ἰάκωβος" καὶ Ἀνδρέας, Φιλιπ-

nerunt interrogabant eum di-
centes, Domine, si in tem-
pore hoc restitues regnum
Israel? † Dixit autem eis,
Non est vestrum nosse tem-
pora vel momenta quae pater
posuit in sua potestate, † sed
accipietis virtutem superve-
nientis spiritus sancti in vos,
et eritis mihi testes in Hierusa-
lem et in omni Iudaea et
Samaria et usque ad ultimum
terrae. † Et cum haec dixisset,
videntibus illis elevatus est, et
nubes suscepit eum ab oculis
eorum. † Cumque intueren-
tur in caelum euntem illum,
ecce duo viri adsisterunt iuxta
illos in vestibus albis, † qui et
dixerunt, Viri Galilaei, quid
statis aspicientes in caelum?
hic Iesus qui adsumtus est a
vobis in caelum, sic veniet
quemadmodum vidistis eum
euntem in caelum. † Tunc
reversi sunt Hierosolymam a
monte qui vocatur Oliveti, qui
est iuxta Hierusalem sabbati
habens iter. † Et cum introis-
sent in cenaculum, ascenderunt
ubi manebant Petrus et Io-
hannes, Iacobus et Andreas,
Philippus et Thomas, Bartho-
lomeus et Matheus, Iacobus
Alfei, Simon Zelotes et Iudas

† Mar. 16:19.
|| Lu. 24:51.

B'

6. ἡρώτων ABNC(*) (ἡρωτων C*) |
† ἡρωτων C (C³)DE. (13). 31. 61.
(ἡρωτων C³. -των 13.)
— ἀποκαθιστάνεις | ἀποκαθιστάνεις D ||
add. εἰς D*.
— τῷ ult.] του D*.
7. εἶπεν B(*RI.Mai) Syr.Pst. Theb. Arm.
Zoh. | εἶπεν † δε" C AN 13. 31. 61.
Vulg. Syr. Hcl. Memph. | εἶπεν οὖν B
Btly. Ech. (RI: Mai) | ὁ δε εἶπεν C.
Arm. MSS. Orig. Int. iii. 874⁴. | καὶ
εἶπεν D. Æth. | ὁ δε ἀποκριθεὶς
εἶπεν E. (Æth.)
— πρὸς αὐτοὺς] αὐτοῖς E. Vulg.
8. μου AB Ech. Mai NCD. Orig. iv. 88^e.
| † μοι C E. 13. 31. 61. Vulg. Syrr.
Pst. & Hcl. Memph. Theb. Arm. (utr. q.
Æth. "mihi testes mei") Orig. iii.
465^d. Orig. Int. iv. 466^c.
— πᾶσῃ] praem. εν BN C³E. rel. Vulg.
Syr. Pst. & Hcl. (Memph.? Theb.?)
Arm. Orig. iv. | om. AC* D. 61. Orig. iii.
9. sic in D καὶτα εἰποντος αὐτου νεφέλῃ
ὑπέβαλεν αὐτον καὶ ἀπῆρθη ἀπο [των
add. 2] ὀφθαλμων αὐτων D. Theb.
— εἰπων] εἰποντων N* (corr. °).
— εἰπων, βλεπόντων] εἰποντων 31.
— βλεπόντων] post αυτων B. | Contra,

- ANCE. rel. Orig. Int. iii. 869^e. Eus.
D.E. 289^a. Ecl. Pr. 149. in Ps. 62^b.
10. εσθησει λευκαις ABNC*. 61. Vulg.
Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Eus.
D.E. 289^a. | † εσθητι λευκη C³DE.
13. 31. Syr. Hcl. Æth. Orig. Int. iii.
869^e.
11. εἶπαν ΔBNC* D. 61. | † εἶπον C³E.
rel. Eus. D.E. 289^a.
— βλεποντες BN* EGr. 13. 61. Eus.
D.E. | † εμβλεποντες C. AN^cCD. 31.
— οὗτος] οὕτως BBtly. (non sic Alford.)
— ὁ 1ης. ὁ αναλ. ἀφ' ὑμ. εἰς τ. ουρανον
οὕτως Orig. Int. iii. 869^e. | Eus. D.E.
| om. 13. 31*. Theb. | om. εἰς τ. οὐρ.
D. Æth. (31 man. rec.)
— θεασασθε] θεασασθε D.
12. ὑπεστρεψαν] add. οἱ ἀποστολοι C³.
31.
— Ἱερουσαλημ 1^o. Eus. D.E. 289^a. | Ἱερο-
σολυμα E. Vulg.
— σαβ. εχ. ὁδον] quasi septuaginta stadia,
Syr. Pst. viam septem stadiorum Theb.
| spatium cursus viri quod est iter
primi sabbati, Æth.
13. εἰσῆλθον] -θεν DGr.
— εἰς το ὑπερων ante ανεβησαν ABC.
61. Vulg. Arm. Usc. Æth. (vid. Orig.

- i. 759^c.) | † post C. N^cDE. 13. 31. Tol.
Syr. Pst. & Hcl. Memph. Theb. Arm.
Zoh. (om. ανεβησαν N*.)
13. ἰωαν. καὶ ἰακ. ABNC(D). 61. Vulg.
Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Usc.
Æth. (om. καὶ D) | † ἰακ. καὶ ἰωαν. C.
E. 13. 31. Syr. Hcl. Arm. Zoh.
— καὶ Ἀνδρειας] ante Ιακ. κ. Ιωαν. E.
— καὶ Μαθθαιος ante καὶ Βαρθολομαιος
Syr. Pst.
— Μαθθαιος BND. Theb. | † Μαθθαιος
C. ACE rel.
— Ἀλφαιου] praem. ὁ του D. Syr. Hcl.*
— καὶ Σιμων] om. καὶ D. Am.
— ὁ ζηλ.] om. ὁ N*. (add. °)
— Ἰουδας Ἰακωβου] Judas filius Jacobi
Syr. Pst. Æth. | Ἰουδας ὁ του Ιακ. Syr.
Hcl.*
14. ἦσαν] add. ὀμοθυμαδον N (habet
bis. *)
— ὀμοθυμαδον (post προσκαρτερουντες)]
om. N^c.
— προσερχη] † add. καὶ τῇ δεήσει C³.
13. (31. om. τῇ) (praem. ut vid. Orig.
i. 759^c.) (vid. Phil. iv. 6.) | om. ABNC*

6. convenerunt Cl. | 13. et Simou Cl.

Cambridge University Press

978-1-108-00714-6 - The Greek New Testament: Edited from Ancient Authorities, with Their Various Readings in Full, and the Latin Version of Jerome, Volume 3: Acts and Catholic Epistles

Edited by Samuel Prideaux Tregelles

Excerpt

[More information](#)

I. 20.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

Vulg. Syrr. P. H.
Memph. Theb.
Arm. Æth.

πος καὶ Θωμᾶς, Βαρθολομαῖος καὶ † Μαθθαῖος, Ἰάκωβος Ἀλφαιῖον καὶ Σίμων ὁ Ζηλωτής, καὶ Ἰούδας Ἰακώβου. ¹⁴ οὗτοι πάντες ἦσαν προσκαρτεροῦντες ὁμοθυμαδὸν τῇ προσευχῇ † σὺν γυναιξίν καὶ † Μαριάμ τῇ μητρὶ τοῦ Ἰησοῦ, καὶ [σὺν] τοῖς ἀδελφοῖς αὐτοῦ.

2 ¹⁵ Καὶ ἐν ταῖς ἡμέραις ταύταις ἀναστὰς Πέτρος ἐν μέσῳ τῶν † ἀδελφῶν εἶπεν· (ἦν τε ὄχλος ὀνομάτων ἐπὶ τὸ αὐτὸ ὡς ἑκατὸν εἴκοσιν.) ¹⁶ Ἄνδρες ἀδελφοί, ἔδει πληρωθῆναι τὴν γραφὴν † ἣν προεῖπεν τὸ πνεῦμα τὸ ἅγιον διὰ στόματος † Δαυεὶδ περὶ Ἰούδα τοῦ γενομένου ὁδηγοῦ τοῖς συλλαβοῦσιν Ἰησοῦν· ¹⁷ ὅτι κατηριθμημένος ἦν † ἐν ἡμῖν, καὶ ἔλαχεν τὸν κλῆρον τῆς διακονίας ταύτης. ¹⁸ οὗτος μὲν οὖν ἐκτήσατο χωρίον ἐκ † μισθοῦ τῆς ἀδικίας, καὶ πρηνὴς γενόμενος ἐλάκησεν μέσος, καὶ ἐξεχύθη πάντα τὰ σπλάγχνα αὐτοῦ, ¹⁹ καὶ γνωστὸν ἐγένετο πᾶσιν τοῖς κατοικοῦσιν Ἱερουσαλὴμ, ὥστε κληθῆναι τὸ χωρίον ἐκεῖνο τῇ [ἰδίᾳ] διαλέκτῳ αὐτῶν † Ἀχελδαμάχ' τοῦτ' ἔστιν χωρίον αἵματος. ²⁰ γέγραπται γὰρ ἐν βίβλῳ Ψαλμῶν, Γενηθήτω ἡ ἔπαυλις αὐτοῦ ἔρημος, καὶ μὴ

Iacobi: ¹⁴ hi omnes erant perseverantes unanimiter in oratione cum mulieribus et Maria matre Iesu et fratribus eius.

¹⁵ In diebus illis exsurgens Petrus in medio fratrum dixit: erat autem turba hominum simul fore centum viginti: ¹⁶ Viri fratres, oportet impleri scripturam quam praedixit spiritus sanctus per os David de Iuda, qui fuit dux eorum qui comprehenderunt Iesum, ¹⁷ quia connumeratus erat in nobis et sortitus est sortem ministerii huius. ¹⁸ Et hic quidem possedit agrum de mercede iniquitatis, et suspensus crepuit medius, et diffusa sunt omnia viscera eius: ¹⁹ et notum factum est omnibus habitantibus Hierusalem, ita ut appellaretur ager ille lingua eorum Acheldemae, hoc est ager sanguinis. ²⁰ Scriptum est enim in libro psalorum. Fiat habitatio eius deserta, et

* Ps. 69 (68) : 25.

DE. 61. Vulg. Syrr. Pst. & Hcl. Memph. Theb. Arm. Æth. *Cypr.* 203. 296.
14. γυναιξιν] praem. ταις D*. || add. και τεικους D.
— Μαριάμ BE. 61. Theb. | † Μαρία ε. ANCD. rel.
— του] om. B.
— σὺν τοις BC²E. rel. Syrr. Pst. & Hcl. | om. σὺν ANC*D. Vulg. (Memph. Theb.?) Arm. Æth. *Cypr. bis.*
15. και ἐν ABNC. 13. 31. 61. *Fuld. Demid.* | ἐν δε DE. Syr. Hcl. mg. Theb. "in" Vulg. *Cl. Am.*
— ταυταις] αυταις 31.
— Πέτρος] praem. ὁ D.
— ἐμμεσῳ ACE. 13.
— ἀδελφῶν ABNC*. 13. Vulg. Memph. Theb. Arm. Æth. | † μαθητῶν ε. C² DE. 31. 61. Syrr. Pst. & Hcl. *Conc. Carth. Cypr.* 118. (Routh iii. 104.)
— τε ABNEGr. 13. 31. 61. | δε CD² Vulg. Syrr. Pst. & Hcl. Memph. Arm. *Conc. Carth.* | γαρ D*. [Theb. Æth.]
— οχλος] praem. ὁ D.
— ονοματων] ανδρων E. hominum Vulg. *Conc. Carth.*
— ὡς BDE. rel. | ὡσι ANC.
— PK² D.

16. εδει ABNC²man. ant. E. rel. *Iren.* 193. *Orig.* iv. 457^{a, b}. *Eus.* D. E. 474^d. | δει D*. Vulg. Memph. Arm. MS. *Iren.* 193. (edd.)
— γραφην] fadd. ταυτην ε. C²DE. 13. 31. Syrr. Pst. & Hcl. *Iren.* 193. | om. ABNC* 61. Vulg. Memph. Theb. Arm. Æth. *Orig.* iv. 457^{a, b}. *Eus.* D. E.
— περιουδα 61.
— Ιησουν] † praem. τον ε. C²DE. rel. | om. ABNC* *Eus.* D. E.
17. κατηριθμημος C.
— ην] om. N* (add. ε.)
— ἐν ἡμιν ABNCDE. 13. 61. Vulg. Memph. Theb. *Iren.* 193. *Eus.* D. E. 474^d. | † σὺν ἡμιν ε. 31. Syrr. Pst. & Hcl. Arm. Æth.
— και *Eus.* D. E. | ὁς D* Gr.
18. μισθον] † praem. του ε. 13ε. | om. ABNCDE. 31. 61. *Eus.* D. E. 474^d.
— ἀδικιας] add. αυτου D. Syr. Hcl.* Theb. Æth. *Eus.* D. E.
— πρηνης] πρηνης ANC (corr. N.)
— παντα *Eus.* D. E. | om. A.
— σπλαγχνα CE*.
19. και] ὁ και N* D Gr. (corr. N^c.) | Contra, *Eus.* D. E. 475^a.

19. ιδια AB²CE. rel. *Eus.* D. E. | om. B*ND. ?v. Arm.
— αυτων] ante διαλεκτω E. | post *Eus.* D. E.
— Αχελδαμαχ A(B)N. 61. *Eus.* D. E. (Ακελ. B*) | Ακελδαμαχ D. Aceldemach d. | Ακελδαμαχ E. Aceldamas e. | Ακυλδαμαχ Theb. ed. | Ακελδαμαχ Theb. MS. | Ακελδαμα Memph. *Wilkins.* Ακαλδαμαγ Memph. *Boetticher.* | † Ακελδαμα ε. C. 13. 31. Syr. Hcl. mg. *Græec.* Syrr. Pst. & Hcl. Arm. Hacheldama Vulg. *Cl. Acheldema Am.* Hakeladam Æth. Haceldemach *Tol.*
20. γεννηθητω η *Eus.* D. E. 475^a. in Ps. 698^c. | γεννηθητων D*.
— αυτων *Iren.* 193. *Eus.* D. E. in Ps. 698^c. *Hil.* 2^a. | αυτων 31* (corr. 1) 61. Vulg. *Cl.* (Syr. Hcl. mg. e. Psalmo) Æth. *Rom.* (vid. Psal. LXX.)
— ερημος *Iren.* 193. *Eus.* D. E. in Ps. | ηρημομενη 61. vid. LXX. (et in tabernaculo eorum non sit qui habitat, Syr. Hcl. mg.)

17. qui *Am.* Cl.* | 19. Haceldama *Cl.* | 20. Fiat commemoratio eorum *Cl.*

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

I. 21.

ABNCDE[IL]
13.31.61.
1 Ps. 109 (108): 8.

ἔστω ὁ κατοικῶν ἐν αὐτῇ, καί, ἡ Ἐπισκοπήν αὐτοῦ
ἡ λαβέτω ἕτερος. ²¹ δεῖ οὖν τῶν συνελθόντων ἡμῶν
ἀνδρῶν ἐν παντὶ χρόνῳ ἡ εἰσηλθεν καὶ ἐξήλθεν ἐφ'
ἡμᾶς ὁ κύριος Ἰησοῦς, ²² ἀρξάμενος ἀπὸ τοῦ βαπτί-
σματος ἡ Ἰωάνου ἕως τῆς ἡμέρας ἡς ἀνελήμφθη ἀφ'
ἡμῶν, μάρτυρα τῆς ἀναστάσεως αὐτοῦ ἡ σὺν ἡμῶν γε-
νέσθαι ἡ ἕνα τούτων. ²³ Καὶ ἔστησαν δύο, ἡ Ἰωσήφ
τὸν καλούμενον ἡ Βαρσαββάν, ἡ ὅς ἐπεκλήθη ἡ Ἰούστος,
καὶ ἡ Μαθθίαν. ²⁴ καὶ προσευξάμενοι ἡ εἶπαν, ἡ Σὺ
κύριε καρδιογνώστα πάντων, ἀνάδειξον ἡ ὃν ἐξελέξω
ἐκ τούτων τῶν δύο ἡ ἕνα. ²⁵ λαβεῖν τὸν ἡ τόπον ἡ τῆς
διακονίας ταύτης καὶ ἀποστολῆς, ἡ ἀφ' ἡς παρέβη ἡ Ἰού-
δας πορευθῆναι εἰς τὸν τόπον τὸν ἡ ἰδιον. ²⁶ Καὶ ἔδωκαν
κλήρους ἡ αὐτοῖς, καὶ ἔπεσεν ὁ κληρὸς ἐπὶ ἡ Μαθθίαν,
καὶ συγκατεψηφίσθη μετὰ τῶν ἡ ἕνδεκα ἀποστόλων.

non sit qui inhabitet in ea; et, Episcopatum eius accipiat alter. ²¹ Oportet ergo ex his viris qui nobiscum congregati sunt in omni tempore quo intravit et exivit inter nos dominus Iesus, ²² incipiens a baptis-mate Iohannis usque in diem qua adsumtus est a nobis, testem resurrectionis eius nobiscum fieri unum ex istis. ²³ Et statuerunt duos, Ioseph qui vocatur Barsabba, qui cognominatus est Iustus, et Mathiam. ²⁴ Et orantes dixerunt, Tu domine, qui corda nosti omnium, ostende quem elegeris ex his duobus unum, ²⁵ accipere locum ministerii huius et apostolatus, de quo praevaricatus est Iudas ut abiret in locum suum. ²⁶ Et dederunt sortes eis, et cecidit sors super Mathiam, et adnumeratus est cum undecim apostolis.

1^r II.

3 ¹ Καὶ ἐν τῷ συμπληροῦσθαι τὴν ἡμέραν τῆς
πεντηκοστῆς ἡσαν ἡ πάντες ἡ ἡ ὁμοῦ ἐπὶ τὸ αὐτό. ² καὶ
ἐγένετο ἡ ἄφνω ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἡ ἡχος ὡσπερ φερομένης
πνοῆς βιαίας, καὶ ἐπλήρωσεν ὅλον τὸν οἶκον ὃ ἡσαν
καθήμενοι. ³ καὶ ὡφθησαν αὐτοῖς διαμεριζόμενοι

¹ Et cum completerentur dies pentecosten, erant omnes pariter in eodem loco. ² Et factus est repente de caelo sonus tanquam advenientis spiritus vehementis, et replevit totam domum ubi erant sedentes, ³ et apparuerunt illis dispersitae

20. εἶπω *Eus.* D.E. in Ps. | η D*
— λαβετω ABNC D. 61. Arm. *Eus.* D.E.
| †λαβοι ε. E. 13. 31. *Eus.* in Ps. 698
(? e Psalmo) vid. Psal. LXX.
21. ἡμιν | ἡμῶν C (h. 13.)
— παντι] add. τῷ D.
— φ] ὡς D*. | †praem. εν ε. N^cC². ut vid.
E rel. | om. ABN^cC²D. 61. Vulg.
— κυριος] add. ἡμῶν 13.
— Ἰησοῦς] add. χριστος D. Syr. Hcl.
22. ἕως BCDE. 13. 31. | αχρι AN. 61.
— συν ἡμιν ante γενεσθαι ABNC D. 31.
61. Vulg. Arm. | †post ε. E. 13. Syrr.
Pst. & Hcl. Aeth. [Memph. Theb.]
23. και 1^o] add. τούτων λεχθέντων E.
Cod. ap. Bed.
— ἐστησαν] ·σεν D*.
— Βαρσαββαν *ABBch. Mai* NE. 61. *Am.*
Fuld. Memph. Theb. | † Βαρσαβαν
ε. C. 31. (h. 13.) Vulg. Cl. Syrr. Pst. &
Hcl. | Βαρναβαν D. *Tol.* Aeth.
— Μαθθιαν B* *Rl. Mai* D. Theb. | † Mar-
θιαν ε. AB²NCE rel. (h. 13.) Memph.
Matathiam Arm.
24. εἶπαν ABNC D. 61. | †εἶπον ε. E. 13s.
31s.

24. συ] om. D (σοι C.)
— ὃν ἐξελέξω post ἀνάδειξον ABNCDE.
13. 31. 61. Vulg. m. Syrr. (Pst.) & Hcl.
Memph. (Arm.) *Eus.* (ap. Wtst.) |
† post ἕνα ε. (Theb. Aeth.)
—, 25. ἕνα λαβεῖν] ἀναλαβεῖν D*.
25. τοπον ABC²D. Vulg. Memph.
Theb. | † κληρον ε. N^cC²E. 13. 31. 61.
Syrr. Pst. & Hcl. Arm. Aeth. ut vid.
vid. *Eus.* H.E. iii. 39. (137.) | add. τον D.
(om. ante.)
— ἀφ' ABNC D. 61. | † εἰ ε. E. rel. (de
Vulg.)
— τοπον τον ἰδιον BNDE. rel. | ἰδιον
τοπον C. | τοπον τον ἑκατον A.
26. αὐτοῖς ABNC D². 13. 61. Vulg.
Memph. Theb. Aeth. | † αὐτων ε. D* E.
31. Syr. Hcl. Arm. | om. Syr. Pst.
— ὃ *Eus.* D.E. 475^b. | om. D* (ε κληρος 31.)
— Μαθθιαν vid. ver. 23. | † Μαθθιαν ε.
(et hic 13.)
— συγκατεψηφισθη ABN^cCE. rel. *Eus.*
D.E. 475^b. | συψηφισθη D*. | συνεψη-
φισθη D. corr. | κατεψηφισθη N*.
— ἕνδεκα *Orig. Int.* ii. 450^e. | ἡβ' D. δωδεκα
Eus. D.E.

1. και εν τῷ] και εγενετο εν ταις ἡμεραις
εκειναις του D.
— την ἡμεραν] τας ἡμερας Vulg. d.e. Syr.
Pst. Arm. Aeth.
— τῆς] τη C* (corr.?)
— ἡσαν] οἶτων αὐτων D.
— παντες ABN^cC. 61. | παντων D. | om.
N* E. | † ἀπαντες ε. 13s. 31. | add. οἱ
ἀποστολοι 31.
— ὁμον ABNC* 61. | † ὁμοθυμαδον ε.
C²E. rel. | om. D. Memph. Theb.
2. και] add. ειδον D. | Contra, *Cypr.*
327.
— εκ του] απο του E. | εἰξ *Orig.* i. 759^c.
— πνοης] post βιαιας D. *Eus.* c. Mcl.
151 c. | ante *Orig.* i. 759^c.
— ὁλον] παντα D Gr.
— καθήμενοι ABNE. 13. 31. 61. | καθεζο-
μενοι CD.
3. γλωσσασι ὡσει] γλωσσει N*. (corr. c)
— και εκαθισεν B(N) 61. d. Syrr. Pst. &
Hcl. Arm. (·σαν N* corr. c) | και εκαθ.
τε D*. | † εκαθ. τε ε. AC²D²E Gr. 13.

21. sunt congregati Cl. | 23. vocabatur Cl.
| Barsabas Cl.
1. pentecostes Cl.

Cambridge University Press

978-1-108-00714-6 - The Greek New Testament: Edited from Ancient Authorities, with Their Various Readings in Full, and the Latin Version of Jerome, Volume 3: Acts and Catholic Epistles

Edited by Samuel Prideaux Tregelles

Excerpt

[More information](#)

II. 12.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

Vulg. Syrr. P. H.
Memph. Theb.
Arm. Æth.

§ II.

γλώσσαι ὡσεὶ πυρός, [†] καὶ ἐκάθισεν ἑφ' ἓνα ἕκαστον αὐτῶν, ⁴ καὶ ἐπλήσθησαν [†] πάντες πνεύματος ἁγίου, καὶ ἤρξαντο λαλεῖν ἑτέροις γλώσσαις καθὼς τὸ πνεῦμα ἐδίδου [†] ἀποφθέγγεσθαι αὐτοῖς." ⁵ ἦσαν δὲ ἐν Ἱερουσαλὴμ κατοικοῦντες Ἰουδαῖοι, ἄνδρες εὐλαβεῖς ἀπὸ παντὸς ἔθνους τῶν ὑπὸ τὸν οὐρανόν. ⁶ γενομένης δὲ τῆς φωνῆς ταύτης συνήλθεν τὸ πλῆθος [§] καὶ συνεχύθη, ὅτι ἤκουον εἰς ἕκαστος τῇ ἰδίᾳ διαλέκτῳ λαλούντων αὐτῶν. ⁷ ἐξίσταντο δὲ [πάντες] καὶ ἐθαύμαζον λέγοντες, [†] Οὐχὶ ἰδοὺ πάντες οὗτοί εἰσιν οἱ λαλοῦντες Γαλιλαῖοι; ⁸ καὶ πῶς ἡμεῖς ἀκούομεν ἕκαστος τῇ ἰδίᾳ διαλέκτῳ ἡμῶν ἐν ᾗ ἐγεννήθημεν, ⁹ Πάρθοι καὶ Μῆδοι καὶ Ἑλαμίται, καὶ οἱ κατοικοῦντες τὴν Μεσοποταμίαν, Ἰουδαίαν τε καὶ Καππαδοκίαν, Πόντον καὶ τὴν Ἀσίαν, ¹⁰ Φρυγίαν τε καὶ Παμφυλίαν, Αἴγυπτον καὶ τὰ μέρη τῆς Λιβύης τῆς κατὰ Κυρήνην, καὶ οἱ ἐπιδημοῦντες Ῥωμαῖοι, ¹¹ Ἰουδαῖοί τε καὶ προσήλυτοι, Κρήτες καὶ Ἀραβες, ἀκούομεν λαλοῦντων αὐτῶν ταῖς ἡμετέροις γλώσσαις τὰ μεγάλα τοῦ θεοῦ; ¹² Ἐξίσταντο δὲ πάντες καὶ [†] διηποροῦντο ἄλλος πρὸς ἄλλον λέγοντες, Τί [†] [†] θέλει"

linguae tamquam ignis, seditque supra singulos eorum, ⁴ et repleti sunt omnes spiritu sancto, et coeperunt loqui variis linguis prout spiritus sanctus dabat eloqui illis. ⁵ Erant autem in Hierusalem habitantes Iudaei, viri religiosi ex omni natione quae sub caelo est: ⁶ facta autem hac voce convenit multitudo et mente confusa est, quoniam audiebat unusquisque lingua sua illos loquentes. ⁷ Stupebant autem omnes et mirabantur dicentes, Nonne ecce omnes isti qui loquuntur Galilaei sunt? ⁸ et quomodo nos audivimus unusquisque lingua nostra in qua nati sumus, ⁹ Parthi et Medi et Elamitae, et qui habitant Mesopotamiam [et] Iudeam et Cappadociam, Pontum et Asiam, ¹⁰ Frygiam et Pamphyliam, Aegyptum et partes Lybiae quae est circa Cyrenen, et advenae Romani, ¹¹ Iudaei quoque et proselyti, Cretes et Arabes, audivimus loquentes eos nostris linguis magna dei? ¹² Stupebant autem omnes et mirabantur ad invicem dicentes, Quidnam

31. Vulg. *Eus.* H.E. x. 4. (479). *Cyrr.* 327. | *εκαθ' δε* C*. e. | (*εκαθισαν* N*D.)
3. *ἐκαστον αυτων*] *ἐκαστον αυτων* 61.
4. *παντες* ABNDE. 61. | † *ἀπαντες* C. C. 13. 31.
— *ἤρξαντο* - *ἔατο* D*.
— *πνευμα*] *add. το ἁγιον* E. Vulg. Æth.
— *ἀποφθέγγεσθαι ante αυτους* ABNC*D.
61. Vulg. Theb. Arm. | † *post* C. C³E. 13. 31. Syrr.Pst.&Hel. (Memph.) [Æth.]
5. *ἦσαν δε εν Ἱερ.* *Hil.* 304. | *εν Ἱερ. ἦσαν* D. | *εν*] *εις* AN* (corr. C)
— *εν Ἱερ.*] *post κατοικουντες* C. | *Contra, Hil.*
— *Ιουδαιοι*] *om. N.* | *ante κατοικ. E.*
— *ἀνδρες*] *ante Ιουδαιοι* C*. (corr. C) | *post Hil.* | *post ευλαβεις* D.
6. *γενομενης*] *γεναμ.* 31.
— *ὅτι*] *καὶ* DGr.
— *ἦκουον* ADEΠ (*ut vid.*) 13s. 31s. Memph. Arm. | *ἦκουον* C*. (Vulg.) Syrr.Pst.&Hel. Theb. | *ἦκουσεν* BN.
— *εις* ABCD. *rel.*] *om. NE.*
— *τη ιδία διαλεκτῳ λαλούντων* ABNCPEΠ

- rel.* Syrr.Hel.txt. *rel.* | *λαλούντας* *ταις γλωσσαις* D. Syrr.Pst.&Hel mg)
7. *παντες* 1^o AN^oCEΠ. 13. 61. Vulg. Syrr.Pst.&Hel. Memph. Theb. Arm. | *ἀπαντες* N*. | *om.* BD. 31. Æth.
— *λεγοντες*] *om.* 13. | *†add. προς αλληλους* C³DEΠ. 13. 31. Vulg.edd. Syrr. Pst.&Hel. Arm. | *om.* ABNC*. 61. Vulg. Memph. Theb. Æth.
— *ουχι B* | *ουχ* NDE. 61. | † *ουκ* C. AC. (? *ουκι* C) *rel.* (II n.l.)
— *παντες* *ult.* B*. E. 13. 31. 61. | *ἀπαντες* AB³NCDEΠ. | *om.* Syrr.Pst.
— *εισιν*] *post οἱ λαλούντες* C* (corr. C) | *ante οὔτοι* 61.
8. *ακουομεν*] *post ἕκαστος* E.
— *τη ιδία διαλεκτῳ*] *την διαλεκτὸν* D*Gr. Vulg. Cl.
— *διαλεκτῳ*] *post ἡμων* E.
— *ἐγεννηθημεν* BNC*D. 31. E. (*μαυι recentiori*). Syrr.Pst.&Hel.txt. | *ἐγενηθ.* ΔC³E*. 13. 61. Syrr.Hel.mg. (II n.l.)
9. *Ελαμιται* N^oEΠ *rel.* (*om.* *καὶ Ελαμιται* N*) | *Ελαμιται* AD. | *Αιλαμιται* B.d. Vulg. Cl. | *Εμαλειται* C*. | *Ελαμηται* C³. — *καὶ* 3^o] *om.* D*Gr.

9. *Ιουδαιαν*] *praem.* "et" *Am. Fuld.* "Syria" *Hier.* in *Es.* xi. 10 (ed. Vallarsi iv. 163*) "Armeniam" *Tert.* adv. Jud. 7. Aug. c. Epist. Man. ix. 10. (ed. Bass. x. 189.)
— *τη Syrr.Hel.* | *om.* D*. Vulg. Cl. Fuld. Syrr.Pst. Memph. Theb. Arm. Æth. (et *Judaeam Am. Tol.*)
— *Καππαδοκιαν* A. *Καπαδοκιαν* 31* (corr. I) *Παππαδοκιαν* C.
10. *τε 1^o*] *om.* D. Vulg. Memph. Theb. Arm. — *Αιγυπτον*] *add. τε* DGr.
— *Λιβυης*] *Αιβουης* D*. *Λυβυης* 13.
— *Κυρηνην* 61. *Κρηνην* 31*.
11. *Κρητες* *καὶ* *Αραβεις*] *Κρητης* *καὶ* *Αραβιοι* D*.
12. *διηποροουν* ABN. | † *διηπορουν* C. CDEΠ. *rel.* | *†add. αλληλοις* 13. — *αλλον*] *add. επι τω γεγονοτι* *καὶ* D. (Syr.Hcl.mg.)
— *τι*] *†add. αν* C. E. 13. 31. | *om.* AB³ CDEΠ (*ut vid.*) 61.
— *θελει* (A)BCD. 61. | *θελει* *post τουτο* A. | † *θελοι* C. NE. 13. 31. (II n.l.)

7. omnes ecce *Am.* | 8. linguam nostram *Cl.* | 9. *om.* et *Cl. Am.* | 10. eos loquentes *Cl.*

Cambridge University Press

978-1-108-00714-6 - The Greek New Testament: Edited from Ancient Authorities, with Their Various Readings in Full, and the Latin Version of Jerome, Volume 3: Acts and Catholic Epistles

Edited by Samuel Prideaux Tregelles

Excerpt

[More information](#)

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

II. 13.

ABNCDE(II.)
13. 31. 61.τοῦτο εἶναι; ¹³ ἕτεροι δὲ † διαχλευάζοντες" ἔλεγον
ὅτι γλευκούς μεμεστωμένοι εἰσίν.¹⁴ Σταθεῖς δὲ * ὁ Πέτρος σὺν τοῖς ἕνδεκα ἐπήρην
τὴν φωνὴν αὐτοῦ, καὶ ἀπεφθέγγετο αὐτοῖς, "Ἄνδρες
Ἰουδαῖοι καὶ οἱ κατοικοῦντες Ἱερουσαλὴμ † πάντες,"
τοῦτο ὑμῖν γνωστὸν ἔστω, καὶ ἐνωτίσασθε τὰ ῥήματα
μου. ¹⁵ οὐ γὰρ ὡς ὑμεῖς ὑπολαμβάνετε οὗτοι μεθύου-σιν, (ἔστιν γὰρ ὥρα τρίτη τῆς ἡμέρας), ¹⁶ ἀλλὰ
τοῦτό ἐστιν τὸ εἰρημένον διὰ τοῦ προφήτου Ἰωήλ,¹⁷ Ἔ Kαὶ ἔσται ἐν ταῖς ἐσχάταις ἡμέραις, λέγει ὁ
θεός, ἐκχεῶ ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου ἐπὶ πᾶσαν
σάρκα, καὶ προφητεύσουσιν οἱ υἱοὶ ὑμῶν καὶ αἱ
θυγατέρες ὑμῶν, καὶ οἱ νεανίσκοι ὑμῶν ὄρασεις
ὄψονται, καὶ οἱ πρεσβύτεροι ὑμῶν † ἐνυπνίους" ἐνυ-
πνιασθήσονται. ¹⁸ καὶ γε ἐπὶ τοὺς δούλους μου καὶ
ἐπὶ τὰς δούλας μου ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις ἐκχεῶ
ἀπὸ τοῦ πνεύματός μου, καὶ προφητεύσουσιν. ¹⁹ καὶ
δώσω τέρατα ἐν τῷ οὐρανῷ ἄνω καὶ σημεῖα ἐπὶ τῆς
γῆς κάτω, αἶμα καὶ πῦρ καὶ ἀτμίδα καπνοῦ. ²⁰ ὁ
ἥλιος μεταστραφήσεται εἰς σκότος, καὶ ἡ σελήνη εἰς
αἶμα, πρὶν † ἔλθειν † ἡμέραν κυρίου τὴν μεγάλην καὶἐπιφανῆ. ²¹ h καὶ ἔσται, πᾶς ὅς † ἐὰν" ἐπικαλέσῃταιvult hoc esse? ¹³ Alii autem
irridentes dicebant quia musto
pleni sunt isti.¹⁴ Stans autem Petrus cum
undecim levavit vocem suam
et locutus est eis, Viri Iudaei
et qui habitatis Hierusalem
universi, hoc vobis notum sit,
et auribus percipite verba mea.
¹⁵ Non enim sicut vos aestima-
tis hi ebrii sunt, cum sit hora
diei tertia, ¹⁶ sed hoc est quod
dictum est per prophetam
Ioel, ¹⁷ Et erit in novissimis
diebus, dicit dominus, effundam
de spiritu meo super om-
nem carnem, et propheta-
bunt filii vestri et filiae vestrae,
et iuvenes vestri visiones videbunt,
et seniores vestri somnia som-
niabunt: ¹⁸ et quidem super
servos meos et super ancillas
meas in diebus illis effundam
de spiritu meo, et propheta-
bunt. ¹⁹ Et dabo prodigia in
caelo sursum et signa in terra
deorsum, sanguinem et ignem
et vaporem fumi. ²⁰ Sol con-
vertetur in tenebras et luna in
sanguinem ante quam veniat
dies domini magnus et mani-
festus. ²¹ Et erit, omnis
quicumque invocaverit nomen

* Joel 2:28, seq.

¶ II.

h Rom. 10:13.

13. διαχλευάζοντες ABBeh. Blc. Mai¹NC
D²II². 13. 61. | † χλευάζοντες Ἔ. EII²*.
31. (διεχλευάζον λεγοντες D*.)
— γλευκούς] add. οἱ τοὶ D.
14. σταθεῖς] praem. τοτε D*Gr. Syr. Pst.
— ὁ Πέτρ. ABNDII. 61. | *om. ὁ Ἔ.
CE. rel.
— ἕνδεκα] δεκα D*. †add. ἀποστολοῖς D.
Syr. Pst.
— ἐπήρην] add. πρῶτος D*. d.
— αὐτοῦ] add. προτερον E.
— ἀπεφθέγγετο] εἶπεν D. Syrr. Pst. &
Hcl. †add. λεγων C. Arm.
— αὐτοῖς] om. D.
— πάντες ABNC(D)II²*. 61. (ante οἱ
κατ. Ἱερ. D.) | † ἀπαντες Ἔ. EII²*.
rel.
— ὑμῖν] ἡμῖν D*.
— καὶ 3^o] om. D.
— ἐνωτίσασθε] -σατε D*. -σαθε D².
15. μεθύουσιν] μεθυσιν C.
— ἐστιν γὰρ... ἡμέρας] οὐσης ὥρας τῆς
ἡμέρας γ' D*. Vulg. Iren. 193.
16. Ἰωήλ ABNC(E)II. 13. 31. 61. vv. | om.
D. Iren. Hil. 962^b.

17. καὶ 1^o Vulg. Syr. Hcl. Arm. Æth. |
om. D. Syr. Pst. Memph. Theb. Iren.
193. Hil. 962^b.
— ἐν ταῖς ἐσχάταις ἡμέραις ANDEII. rel.
Iren. 193. Hil. | μετα ταυτα B. Theb.
(vid. LXX.) | praem. eadem C. Arm.
| "post hos dies" Æth.
— ὁ θεος ABNCII. rel. Syrr. Pst.
& Hcl. (sic) Memph. Theb. Arm. |
κύριος DE. Vulg. Iren. 193. Hil.
— πᾶσαν σάρκα] πᾶσας σαρκας D*Gr.
— ὑμῶν 1^o] αὐτῶν D. Hil.
— αἱ] om. C*(?)D.
— ὑμῶν 2^o] αὐτῶν D. Hil. | om. C.
— ὑμῶν 3^o] om. D.
— ὑμῶν 4^o. ABNC² rel. | om. C* ut vid.
DE.
— ἐνυπνίους ABNC(D)². 13. 61. (om. D*
Gr.) | † ἐνυπνια Ἔ. E. 31. Vulg. (vid.
LXX.)
18. γε] εγω D*.
— ἐπι τοὺς δούλους μου καὶ] om. 13.
— τας δούλας μου καὶ τοὺς δούλους hoc
ord. N.
— ἐν ταῖς ἡμέραις ἐκείναις] om. D.

18. ἐκχεως A.
— καὶ προφητεύσουσιν] om. D. (vid.
LXX.)
19. ἄνω] om. A. 31. Syr. Pst. Theb. (vid.
LXX.)
— αἶμα καὶ... καπνοῦ] om. D.
20. μεταστραφήσεται] μεταστρεφεται
D*.
— πρὶν] †add. η Ἔ. BMai 31. | om.
AN(C)DE. 13. 61.
— ἡμέραν] †praem. την Ἔ. AN²CE. rel.
(vid. LXX.) | om. BN²D.
— καὶ ἐπιφανῆ] om. ND.
21. om. ver. N* (add. a).
— ἐαν BBy. Mai E. | † an Ἔ. AN²CD.
rel. (vid. LXX.)
— κριοῖν] praem. του D*.
22. Ναζοραῖον N*D*.
— ἀποδείξιμενον ante απο του θεου
BN(C)D². 31. 61. Vulg. Theb. Arm.
Æth. Iren. 193. | ante εις ἡμ. απο τ. θ.
Eus. Ecl. Pr. 78. | † post Ἔ. A(D*)E.

12. om. hoc Am.

II. 30.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

Vulg. Syrr. P. H.
Memph. Theb.
Arm. Æth.

τὸ ὄνομα κυρίου, σωθήσεται. ²² ἄνδρες Ἰσραηλίται, ἀκούσατε τοὺς λόγους τούτους· Ἰησοῦν τὸν Ναζωραῖον, ἄνδρα ἁποδεδειγμένον ἀπὸ τοῦ θεοῦ εἰς ὑμᾶς δυνάμεσιν καὶ τέρασιν καὶ σημείοις οἷς ἐποίησεν δι' αὐτοῦ ὁ θεὸς ἐν μέσῳ ὑμῶν, καθὼς ἑαυτοὶ οἴδατε, ²³ τοῦτον τῇ ἁρισμένη βουλῇ καὶ προγνώσει τοῦ θεοῦ ἔκδοτον ἑαυτῷ χεῖρὸς ἀνόμων προσπήξαντες ἠνείλατε, ²⁴ ὃν ὁ θεὸς ἀνέστησεν λύσας τὰς ὠδύνας τοῦ θανάτου, καθότι οὐκ ἦν δυνατόν κρατεῖσθαι αὐτὸν ὑπ' αὐτοῦ. ²⁵ Δαυεὶδ γὰρ λέγει εἰς αὐτόν, ἡ προσορῶμην τὸν κύριον ἐνώπιόν μου διὰ παντός, ὅτι ἐκ δεξιῶν μου ἐστίν, ἵνα μὴ σαλευθῶ. ²⁶ διὰ τοῦτο ἠψφράνθη μου ἡ καρδία καὶ ἠγαλλιάσατο ἡ γλῶσσά μου, ἔτι δὲ καὶ ἡ σὰρξ μου κατασκηνώσει ἐπ' ἐλπίδι. ²⁷ ὅτι οὐκ ἐγκαταλείψεις τὴν ψυχὴν μου εἰς ἄδην, οὐδὲ δώσεις τὸν ὄσιόν σου ἰδεῖν διαφθοράν. ²⁸ ἐγνωρίσάς μοι ὁδοὺς ζωῆς, πληρώσεις με εὐφροσύνης μετὰ τοῦ προσώπου σου. ²⁹ ἄνδρες ἀδελφοί, ἐξὸν εἰπεῖν μετὰ παρρησίας πρὸς ὑμᾶς περὶ τοῦ πατρίάρχου Δαυεὶδ, ὅτι καὶ ἐτελεύτησεν καὶ ἐτάφη, καὶ τὸ μνήμα αὐτοῦ ἐστὶν ἐν ἡμῖν ἄχρι τῆς ἡμέρας ταύτης. ³⁰ προφήτης οὖν ὑπάρχων, καὶ εἰδὼς ὅτι ὄρκω

domini salvus erit. ²² Viri Israhelirae, audite verba haec. Iesum Nazarenum, virum adprobatum a deo in vobis virtutibus et prodigiis et signis, quae fecit per illum deus in medio vestri, sicut vos scitis, ²³ hunc definito consilio et praesentia dei traditum per manus iniquorum adfigentes interemistis: ²⁴ quem deus suscitavit solutis doloribus inferni, iuxta quod impossibile erat teneri illum ab eo. ²⁵ David enim dicit in eum, Provedbam dominum coram me semper, quoniam a dextris est mihi, ne commovear: ²⁶ propter hoc delectatum est cor meum et exultavit lingua mea, insuper et caro mea requiescet in spe, ²⁷ quoniam non derelinques animam meam in inferno, nec dabis sanctum tuum videre corruptionem. ²⁸ Notas mihi fecisti vias vitae, replebis me iucunditate cum facie tua. ²⁹ Viri fratres, liceat audenter dicere ad vos de patriarcha David, quoniam et defunctus est et sepultus est, et sepulchrum eius est apud nos usque in hodiernum diem. ³⁰ Propheta igitur cum esset et sciret

24. τὰς ὠδ. τοῦ ἄδου.

1 Ps. 16 (15):8, seq.

1 Ps. 132 (131):11.

(13.) Syrr. Pst. & Hcl. Memph. Tert. car. Chr. 15. de Pud. 21. (δεδοκιμασμενον D*. αποδειχμενον 13.)
22. ὑμᾶς Iren. 193. Tert. | ἡμᾶς D*. Eus. Ecl. Pr.
— δυναμει] -μει 13.
— οἷς Eus. Ecl. Pr. | ὅσα D*.
— δι' αὐτου] post ὁ θεος E. Vulg. Cl. Memph. Theb. Æth. (ctra, Am. Fuld. Iren. 193. Eus. Ecl. Pr.)
— ὁ θεος Eus. Ecl. Pr. | om. ὁ C sic.
— ἐμμεσφ ACE. 13.
— καθως] † add. και ς. C⁹ 13s. Vulg. Cl. Syr. Hcl. | om. ABNC*DE. 31. 61. Am. Fuld. Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Æth. Iren. 193. Eus. Ecl. Pr.
— αυτοι Iren. 193. Eus. Ecl. Pr. | ὑμεις παντες E.
23. εκδοτον] † add. λαβοντες ς. NC³DE. 13. 31. Cod. ap. Bed. Syr. Hcl. (? Æth.) Eus. Ecl. Pr. 78. | om. ABNC* C*. 61. Vulg. Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Iren. 193. (? ενδοτον 31* Scr.)
— χειρος ABNC* D. 13. 61. Syr. Hcl. Æth. Eus. Ecl. Pr. | † χειρων ς. C⁹ E.

31. Vulg. Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Zoh. Iren. 193.
23. αναλατε ABCNDE. 13. 61. Eus. Ecl. Pr. | † λατε ς. 31.
24. λυσας] add. δι' αὐτου E. Cod. ap. Bed. | om. Polyc. ad Phil. 1. Iren. 193. Eus. Ecl. Pr. 78.
— θανατου ABNC E Gr. Cod. ap. Bed. rel. Syr. Hcl. Theb. Arm. Æth. Eus. Ecl. Pr. | ἄδου D. Vulg. e. Syr. Pst. Memph. Polycarpus ad Phil. 1. Iren. 193.
25. γαρ] praecm. μεν E. | om. Iren. 193. Eus. Ecl. Pr. 78.
— αυτου Iren. | αυτην A. (om. εις αυτου Eus. Ecl. Pr.)
— προσορωμην AB* Rl. Mai NCDE. | † προωρωμην ς. B² rel. Eus. Ecl. Pr.
— κυριον] add. μον ND. (Syr. Pst. pro more) | om. ABCE. rel. vv. Iren. 193. Eus. Ecl. Pr.
26. ηψφρανη ABCNDE. 31. 61. Clem. 765 (? e Psal.) | † ευφραν. ς. 13s.
— μου ante η καρδια BN*. Clem. | † post ς. AN³CDE. rel. Iren. 193. vid. Psal.

LXX. (gloria mea Syr. Pst. ? e Psalm.)

26. επ' ABE. rel. Clem. | εφ' NCD.
27. αδην ABNC D. 61. Clem. 765 (? e Psal.) | † αδου ς. E. 13. 61. Orig. ii. 622^a (494^e est e Psal.) vid. LXX.
28. εγνωρισας Clem. | γνωρισας D* Gr.
— ευφροσυνης Clem. | -νην A* ut vid. 31.
29. εξων 13. 61.
— παρησιας C.
— μνημα Eus. Ecl. Pr. 78. in Ps. 52^c. | μνημιον D.
— εν ημιν Eus. Ecl. Pr. in Ps. | παρ' ημιν D.
30. ειδως Iren. 193. Eus. Ecl. Pr. 78. in Ps. 52^c. | ειδων D* Gr.

22. Deus per illum Cl. | sicut et Cl. | 23. om. et Am. | affigentes Cl. | 25. in conspectu meo semper Cl. | 26. laetatum est Cl. | requiescit Am. | 28. et replebis Cl. | 29. om. "et" post quoniam Cl. | om. "est" post sepultus Cl.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

II. 31.

- AB²NCDE.
13. 31. 61.
33. *[καί]" βλέ-
πετε.
4 Ps. 110 (109):1.
36. ἐποίησεν ὁ
θεός.

ᾧμοσεν αὐτῷ ὁ θεὸς ἐκ καρποῦ τῆς ὀσφύος αὐτοῦ
† καθίσαι ἐπὶ τὸν θρόνον" αὐτοῦ, ³¹ προῖδὼν ἐλάλη-
σεν περὶ τῆς ἀναστάσεως τοῦ χριστοῦ, ὅτι † οὔτε"
† ἐγκατελείφθη" † εἰς ἄδου, † οὔτε" ἡ σὰρξ αὐτοῦ
εἶδεν διαφθοράν. ³² τοῦτον τὸν Ἰησοῦν ἀνέστησεν ὁ
θεός, οὐ πάντες ἡμεῖς ἐσμεν μάρτυρες. ³³ τῇ δεξιᾷ
οὖν τοῦ θεοῦ ὑψωθείς τὴν τε ἐπαγγελίαν † τοῦ
πνεύματος τοῦ ἁγίου" λαβὼν παρὰ τοῦ πατρὸς
ἐξέχευεν τοῦτο ὃ † ὑμεῖς βλέπετε καὶ ἀκούετε. ³⁴ οὐ
γὰρ † Δαυεὶδ" ἀνέβη εἰς τοὺς οὐρανοὺς, λέγει δὲ
αὐτός, ¹ Εἶπεν † κύριος τῷ κυρίῳ μου, Κάθου ἐκ δεξιῶν
μου, ³⁵ ἕως ἂν θῶ τοὺς ἐχθρούς σου ὑποπόδιον τῶν ποδῶν
σου. ³⁶ ἀσφαλῶς οὖν γνωσκέτω πᾶς οἶκος Ἰσραὴλ ὅτι
καὶ κύριον αὐτὸν καὶ χριστὸν" ὁ θεὸς ἐποίησεν, τοῦτον
τὸν Ἰησοῦν ὃν ὑμεῖς ἐσταυρώσατε.

³⁷ Ἀκούσαντες δὲ κατενόγησαν † τὴν καρδίαν,"
εἰπόν τε πρὸς τὸν Πέτρον καὶ τοὺς λοιποὺς ἀποστό-
λους, Τί † ποιήσωμεν," ἄνδρες ἀδελφοί; ³⁸ Πέτρος δὲ

quia iureiurando iurasset illi
deus de fructu ventris eius
sedere super sedem eius, ³¹ pro-
videns locutus est de resurrectione
Christi, quia neque
derelictus est in inferno neque
caro eius vidit corruptionem.
³² Hunc Iesum resuscitavit
deus, cuius omnes nos testes
sumus. ³³ Dextera igitur dei
exaltatus et promissione spi-
ritus sancti accepta a patre
effudit hunc quem vos videtis
et auditis. ³⁴ Non enim Dav-
vid ascendit in caelos: dicit
autem ipse, Dicit dominus
domino meo, Sede a dextris
meis, ³⁵ donec ponam inimicos
tuos scabillum pedum tuorum,
³⁶ Certissime ergo sciat omnis
domus Israhel quia et domi-
num eum et Christum deus
fecit, hunc Iesum quem vos
crucifixistis.

³⁷ His autem auditis con-
puncti sunt corde et dixerunt
ad Petrum et ad reliquos
apostolos, Quid faciemus, viri
fratres? ³⁸ Petrus vero ad
illos, Paenitentiam, inquit,

30. ᾧμοσεν *Eus.* *Ecl. Pr.* in Ps. | ᾧμασεν
D*.
— ὀσφύος] *καρδίας* D*. de praecordia d.
| ventris *Iren. Am. Syr. Pst. Aeth.*
— ὀσφύος αὐτου] † add. το κατὰ σάρκα
ἀναστήσειν τον χριστον ς. (D*) (13.)
31. S. r. Hcl. *Eus.* in Ps. (om. το D.
ἀναστήσει D. 13.) | add. ἀναστήσει
τον χριστον E. *Cod. ap. Bed.* | om.
AB²NCDE. 61. *Vulg. Syr. Pst. Memph.*
Theb. Arm. Aeth. Iren. 193. Eus. Ecl.
Pr. 79.
— καθίσαι] *praem. και DGr. E.*
— τον θρονον AB²NCDE. 61. *Eus. Ecl.*
Pr. in Ps. | † του θρονου ς. E. *rel.*
31. προιδ. *ελαλ. περι της Iren. Eus. Ecl.*
Pr. 79. in Ps. 52. | om. D*. (add.*
corrector antiquus) (προσιδως D.)*
— της *Eus. Ecl. Pr. in Ps.* | om. B. *Itly.*
(*citra Mai.*)
— ουτε 1^o AB²NCDE. 61. *Vulg. e. Iren. 193.*
Eus. Ecl. Pr. in Ps. | † ου ς. 31 |
ουκ E. 13. *Syr. Pst. & Hcl. Memph. Theb.*
— ἐγκατελείφθη AB²NCDE. 13. 61. *Eus.*
Ecl. Pr. in Ps. (εγκατεληφθη C.)* |
† κατελειφθη ς. 31. || † add. ἡ ψυχη
αυτου ς. C³E. 13. 31. *Cod. ap. Bed.*
Syr. Hcl. Arm. | om. AB²NCDE. 61.
Vulg. Syr. Pst. Memph. Theb. Aeth.
Iren. 193. Eus. Ecl. Pr. in Ps.
— ἄδου ACDE. 13. 31. | ἄδην BN. 61.
Eus. Ecl. Pr. in Ps.

31. ουτε 2^o ANCD. 13. 61. *Eus. Ecl. Pr.*
in Ps. | † ουτε ς. B. *Mai. E. 31. Syrr.*
Pst. & Hcl. (neque Vulg.)
32. τουτον] *add. ουν D*E.*
— τον *Eus. in Ps. om. Iren. 193. Eus.*
in Ps. 52. | om. D*.*
— εσμεν] *post μαρτυρες D. Vulg. | ante*
Iren. Eus. in Ps. | ante ἡμεις N.
33. την τε] *και την D.*
— τον πνευματος του ἁγιου AB²NCDE.
13. 61. *Vulg. | † του ἁγιου πνευματος*
ς. D. 31. Iren. 193.
— ἐξέχευ] *add. ἡμειν D*. | om. Iren.*
— τουτο] *om. D*. || add. το ἔσωρον E.*
Cod. ap. Bed. Syr. Hcl. txt. Iren. 193. |
Contra, Syr. Hcl. mg.
— ἡμεις] *om. D*. || † praem. ουν ς. C³E.*
13. 31. (*Syr. Hcl.*) | *add. Iren. 193. |*
om. AB²NCDE. 61. Vulg. Syr. Pst.
Memph. Theb. Arm. Aeth.
— βλέπετε] *praem. και BD. Arm. Zoh.*
| om. ANCE. 13. 31. 61. Vulg. Syrr.
Pst. & Hcl. Aeth. Iren. 193.
34. λεγει δε *Iren. 193. | ειρηγεν γαρ*
D.
— ειπεν *Iren. | λεγει D. Am.*
— κυριος] † *praem. ο ς. AB²NCDE. rel. |*
om. B Rl. Mai N* D.*
35. αυ] *om. D*.*
36. οικος] *praem. ο CD. | om. AB²NCDE.*
rel.
— και κυριον *St. 3. AB²NCDE. 13. 31.*

61. *Vulg. Syr. Hcl. Arm. Zoh. Iren.*
193. *Tert. adv. Prax. 28. | om.*
και E/z. Syr. Pst. Memph. Theb.
Aeth.
36. αυτον ante και χριστον AB²NCDE.
Vulg. Arm. Iren. 193. (om. D) |*
† post ς. E. 13 ut vid. 61. | post ὁ
θεος 31. | ante Deus Tert. adv. Prax.
[Syr. Pst. & Hcl. Aeth.]
— ὁ θεος ante ἐποίησεν ACDE. *Am. Fuld.*
Theb. Arm. Iren. 193. | post BN.
61. *Vulg. Cl. Syrr. Pst. & Hcl. Memph.*
Aeth. Tert. (n. l. 13. vid. 31. supra.)
— τον] *om. D*.*
— ὄν] *om. 13.*
37. ακουσαντες δε] *τοτε παντες οι συνελ-*
θοντες και ακουσαντες D. Syr. Hcl. mg.
— δε] *ουν EGr.*
— κατηννησαν E. 61.
— την καρδιαν AB²NCDE. 61. | † τη καρ-
δια ς. DE. *rel. Vulg.*
— ειπον τε ABC. 13. 31. *vv. | ειπον δε*
61. | *και ειπον E. | και τινες εξ αυ-*
των ειπαν D. | ειποντες ND² Gr.*
Memph.
— λοιπους] *om. D.*
— τι add. *ουν D. Iren. 193.*
— ποιησωμεν AB²NCDE. 61. | † ποιη-
σωμεν ς. D. *rel. Vulg. Iren. 193.*

30. fructu lumbi Cl. | 34. caelum Cl. | dixit bis Cl. | 36. sciat ergo Cl. | fecit deus Cl.

II. 45.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

Vulg. Syrr. P. H.
Memph. Theb.
Arm. Æth.

[†] πρὸς αὐτούς, Μετανοήσατε καὶ βαπτισθήτω ἕκαστος ὑμῶν ἔν τῷ ὀνόματι Ἰησοῦ χριστοῦ εἰς ἄφεσιν τῶν ἁμαρτιῶν ὑμῶν, καὶ λήμψεσθε τὴν δωρεὰν τοῦ ἁγίου πνεύματος· ³⁹ ὑμῖν γάρ ἐστιν ἡ ἐπαγγελία καὶ τοῖς τέκνοις ὑμῶν καὶ ¹ πᾶσιν τοῖς εἰς μακράν, ὅσους ἂν προσκαλέσῃται κύριος ὁ θεὸς ἡμῶν. ⁴⁰ ἑτέροις τε λόγοις πλείοσιν [†] διεμαρτύρατο καὶ παρεκάλει αὐτούς λέγων, Σώθητε ἀπὸ τῆς γενεᾶς τῆς σκολιαῆς ταύτης. ⁴¹ οἱ μὲν οὖν ἀποδεξάμενοι τὸν λόγον αὐτοῦ ἐβαπτίσθησαν, καὶ προσετέθησαν ἔν τῇ ἡμέρᾳ ἐκείνῃ ψυχὰ ὡσεὶ τρισχίλια. ⁴² ἦσαν δὲ προσκαρτεροῦντες τῇ διδαχῇ τῶν ἀποστόλων καὶ τῇ κοινωνίᾳ τῆ κλάσει τοῦ ἄρτου καὶ ταῖς προσευχαῖς. ⁴³ ἐγένετο δὲ πάσῃ ψυχῇ φόβος, πολλὰ τε τέρατα καὶ σημεῖα διὰ τῶν ἀποστόλων ἐγένετο. ⁴⁴ πάντες δὲ οἱ πιστεύοντες ἦσαν ἐπὶ τὸ αὐτὸ καὶ εἶχον ἅπαντα κοινά, ⁴⁵ καὶ τὰ κτήματα καὶ τὰς ὑπάρξεις ἐπίπρασκον καὶ διμερίζον αὐτὰ πᾶσιν καθότι ἂν τις χρεῖαν εἶχεν.

¹ Es. 57:19.
Eph. 2:17.

43. πολλά δέ.
— ἐγίν. διὰ τ.
ἀποστ.

agite, et baptizetur unusquisque vestrum in nomine domini Iesu Christi in remissionem peccatorum vestrorum, et accipietis donum sancti spiritus: ³⁹ vobis enim est re promissio et filiis vestris et omnibus qui longe sunt, quoscumque advocaverit dominus deus noster. ⁴⁰ Aliis etiam verbis plurimis testificatus est, et exhortabatur eos dicens, Salvamini a generatione ista prava. ⁴¹ Qui ergo receperunt sermonem eius, baptizati sunt, et adpositae sunt in illa die animae circiter tria milia: ⁴² erant autem perseverantes in doctrina apostolorum et communicatione fractionis panis et orationibus. ⁴³ Fiebat autem omni animae timor; multa quoque prodigia et signa per apostolos fiebant in Hierusalem, et metus erat magnus in universis. ⁴⁴ Omnes etiam qui credebant erant pariter et habebant omnia communia, ⁴⁵ possessiones et substantias vendebant, et dividebant illa omnibus prout cuique opus

37. fin.] add. ὑποδείξατε ἡμῶν DE. *Cod. ap. Bed. Tol. Syr. Hcl. mg. Aug.*
38. δέ] † add. εφη ᾠ. E. 31 (Syr. Pst.) Memph. Theb. Arm. Æth. (h. 13.) | om. (A)B(N)(CD. 61.) (Vulg.) *Iren.* 193. *Cypr.* 134. *Lucif.* 20. | φησιν post μετανοήσατε ANC. 61. Vulg. | φησιν post αὐτοὺς D.
— εν τῷ BCD. | † ἐπι τῷ ᾠ. ANE. rel.
— ονοματι] add. του κυριου DE. *Am. Syr. Pst. MSS.* et edd. (om. χριστου) *Syr. Hcl. Theb. Arm. Iren.* 193. *Cypr.* 134. *Lucif.* 20. (om. εν ονομ. Ιησ. χρ. *Syr. Pst. Widmanstadt.*)
— των ἁμαρτιων ὑμων ABN(C). 61. Vulg. Memph. Theb. (Æth.) | (ἡμων CBBch. [etra, Bily. Mai]) | * om. των et ὑμων ᾠ. DE. rel. *Syrr. Pst. & Hcl. Arm. Iren.* 193. *Cypr. Lucif. Aug.*
39. ὑμων *Cypr.* 134. *Lucif.* 20. | ἡμῶν D.
— ὑμων *Cypr.* 134. *Lucif.* | ἡμων D.
— ὄσους BNDE. rel. Vulg. *Syrr. Pst. & Hcl.* | οὓς AC. (Memph. Theb.)
40. τε *Lucif.* 20. | δε DGr.
— διεμαρτύρατο ABNCDE. 61. Vulg. | † -ρετο ᾠ. 13. 31. *Syrr. v. st. & Hcl. Lucif.* 20.
— παρεκ. αὐτοὺς ABNCDE. 61. Vulg.

Syr. Pst. Memph. Theb. Arm. Æth. Lucif. | * om. αὐτοὺς ᾠ. E. 13. 31. *Syr. Hcl.*
40. της σκολ. ταυτης] ταυτης της σκολ. D. Vulg. *Lucif.* (σκολιας) καλιας C* (corr.?)
41. οἱ μὲν οὖν] † add. ασμενως ᾠ. E. 13. 31. *Cod. ap. Bed. Syrr. Pst. & Hcl. Arm.* | om. ABNCDE. 61. Vulg. Memph. Theb. Æth. *Clem.* 371.
— αποδεξαμενοι *Clem.* | πιστευσαντες D. | add. id. *Syr. Hcl. mg.*
— εν ante τη ἡμ. ABNC(D). 61. Vulg. | * om. εν ᾠ. E. 13. 31.
— εκεινη ante τη ἡμ. D. *Am.*
— ὡσει] ὡς N* (corr.?)
— τρισχιλια 31.
42. ἦσαν δε] και ἦσαν D. *Syr. Pst.*
— τη διδ.] praem. εν A. Vulg.
— αποστολων] add. εν Ἱερουσαλημ D.
— τη κλ.] † praem. και ᾠ. N^oD^oE. rel. *Syr. Hcl. Arm.* | om. ABN^oCD*. 61. Vulg. *Syr. Pst. Memph. Theb. Æth.*
43. ἐγένετο 1^o. ABMaidNCDE. Vulg. *Syrr. Pst. & Hcl.* | † ἐγενετο ᾠ. E. 13. 31. 61.
— τε ACD^oE. 13. Vulg. | om. D*Gr. | 31. | δε BN. 61. Memph. (quoque Vulg. γαρ Theb.)
— σημεια] add. ον μικρα E.

43. δια] add. των χειρων E. *Syr. Hcl. ? Æth.*
— ἐγιν. 2^o.] ante δια τ. αποστ. AC. *Syr. Pst. Memph. Æth.* | post BNDE. 13. 31. 61. (Vulg.) *Syr. Hcl. Arm. (εγινοντο E.)*
— fin.] add. εν Ἱερουσαλημ ANCE. 13. *Am. Syr. Pst. Memph.* (ante ἐγενετο Vulg. Cl.) | add. postea φοβος τε ην μεγας επι παντας ANC. (vid. v. 5.) Vulg. Memph. | nou habent BD. 31. 61. *Syr. Hcl. Theb. Arm. Æth.*
44. ab init.] praem. και ANC. 61. | om. BDE. rel. vv. *Orig.* iii. 673^a.
— δε *Orig.* iii. 673^a. | τε D. Vulg.
— πιστευοντες] -σαντες BN. *Arm. Æth. Orig.* iii.
— ἦσαν et mox και ANCEDE. rel. | om. B. *Orig.* iii.
— ἅπαντα *Orig.* iii. | παντα D.
45. τα κτηματα και τας ὑπαρ. | ὄσοι κτηματα εἶχον η ὑπαρ. D. *Syr. Pst.* | (om. τα 61.)
— διμερίζον] εμερίζον A.
— αυτα] add. καθ' ἡμεραν D. (vid. ver. 46 et vi. 1.)
— καθοτι] καθως 13. | τοις D*Gr. (καθοτι αν τ. χ. εἰχ. om. 31*.)

38. om. domini Cl. | Spiritus sancti Cl. | 41. die illa Cl. | 43. in Jer. fiebant Cl. | 44. omnes e sim Am.

ΠΡΑΞΕΙΣ ΑΠΟΣΤΟΛΩΝ.

II. 46.

A B C D E.
13. 31. 61.

⁴⁶ καθ' ἡμέραν τε προσκαρτεροῦντες ὁμοθυμαδὸν ἐν τῷ ἱερῷ, κλῶντές τε κατ' οἶκον ἄρτον μετελάμβανον τροφῆς ἐν ἀγαλλιάσει καὶ ἀφελότητι καρδίας, ⁴⁷ αἰνοῦντες τὸν θεὸν καὶ ἔχοντες χάριν πρὸς ὅλον τὸν λαόν. ὁ δὲ κύριος προστίθει τοὺς σωζομένους καθ' ἡμέραν [†] ἐπὶ τὸ αὐτό.

erat: ⁴⁶ cotidie quoque perdurantes unanimiter in templo et frangentes circa domus panem, sumebant cibum cum exultatione et simplicitate cordis, ⁴⁷ conlaudantes deum et habentes gratiam ad omnem plebem. Dominus autem augebat qui salvi fierent cotidie in id ipsum.

III. Δ'

4 ¹ Πέτρος δὲ" καὶ [†] Ἰωάνης" ἀνέβαινον εἰς τὸ ἱερὸν ἐπὶ τὴν ὥραν τῆς προσευχῆς τὴν [†] ἐνάτην." ² καὶ τις ἀνὴρ χωλὸς ἐκ κοιτίας μητρὸς αὐτοῦ ὑπάρχων ἐβαστάζετο, ὃν ἐτίθουν καθ' ἡμέραν πρὸς τὴν θύραν τοῦ ἱεροῦ τὴν λεγομένην ὠραίαν, τοῦ αἰτεῖν ἐλεημοσύνην παρὰ τῶν εἰσπορευομένων εἰς τὸ ἱερὸν. ³ ὃς ἰδὼν Πέτρον καὶ [†] Ἰωάνην" μέλλοντας εἰσιεῖν εἰς τὸ ἱερὸν ἠρώτα ἐλεημοσύνην λαβεῖν. ⁴ ἀτενίσας δὲ Πέτρος εἰς αὐτὸν σὺν τῷ [†] Ἰωάνη" εἶπεν, Βλέψον εἰς ἡμάς. ⁵ ὁ δὲ ἐπέειχεν αὐτοῖς προσδοκῶν τι παρ' αὐτῶν λαβεῖν. ⁶ εἶπεν δὲ Πέτρος, Ἄργυριον καὶ χρυσίον οὐχ ὑπάρχει μοι· ὁ δὲ ἔχων, τοῦτό

¹ Petrus autem et Iohannes ascendebant in templum ad horam orationis nonam. ² Et quidam vir qui erat claudus ex utero matris suae baiulabatur; quem ponebant cotidie ad portam templi quae dicitur speciosa, ut peteret elemosynam ab introeuntibus in templum. ³ Is cum vidisset Petrum et Iohannem incipientes introire in templo, rogabat ut elemosynam acciperet. ⁴ Intuens autem in eum Petrus cum Iohanne dixit, Respice in nos. ⁵ At ille intendebat in eos, sperans se aliquid accepturum ab eis. ⁶ Petrus autem dixit, Argentum et aurum non est mihi: quod autem habeo,

46. καθ' ἡμέραν] om. D*. (add.?) | add. παντες D. (καθ' ἡμέραν παντες τε D².)
— προσκαρτεροῦντες] προσκαρτερουον D.
— ὁμοθυμαδον] om. D. | post εν τη ἱερῷ C. Syr.Pst.
— κλωντες τε κατ' οικον] και κατ' οικους αν επι το αυτο κλωντες τε D. (om. αν D².)
— κλωντες τε] om. τε 61.
— αφελοτητι] αφελωτι 13.
47. λαον Orig. iii. 673^b. | κοσμον D.
— τους σωζομενους καθ' ημεραν] καθ' ημεραν τοις σωζομενους 13. (Arm.) (Æth.)
—, iii. 1. επι το αυτο. Πετρος δε ABNC. 61. Vulg. Memph. Theb. Arm. Æth | επι το αυτο εν τη εκκλησιᾳ. Εν δε ταις ημεραις πανταις Πετρος D. | † τη εκκλησιᾳ. iii. 1. Επι το αυτο δε Πετρος ̅. E. 13. (31.) Cod. ap. Bed. Syr. Pst. & Hcl. (om. δε 31. post Πετρος 31³ Scr.) "Petrus autem" seq. Lucif. 199.
1. Ιωανης BD. | † Ιωαννης ̅. AN. rel.
— αναβεινον A. | ανεβεννον C.

1. ἱερων] add. το δειλινον D. | om. Lucif. 199.
— ἐνάτην ABNC(D)E. 31. | † ἐνάτην ̅. 13. 61. (ἐνάτη τη προσευχῆς D* Gr. την ἐνάτην της προσευχῆς D². | Contra, Lucif.)
2. και] add. ιδου D*. Syr.Pst. | om. Lucif. 199.
— ὑπαρχων] om. D. Memph. ut vid. Lucif.
— προς] επι 61.
— θυραν] πυλην E. | januam Lucif.
— παρα των εισπορ.] παρ' αυτων εισπορ. αυτων D*. (ctra, Lucif.)
3. ὃς ἰδων (Lucif. 199.) | οὗτος ἀτενίσας τοῖς ὀφθαλμοῖς αὐτου και ιδων D.
— ὃς ἰδ. Π. κ. Ι. μελ. εἰσι. εἰς το ἱερων] om. 61. | ιδων τε τον Πετρ. κ. Ιω. 61 mg.²
— εἰσιεῖν] εἰναι D* Gr.
— ἠρωτα] add. αυτους D. Syr.Pst. Memph. Theb. Æth. | om. Vulg. Syr. Hcl. Arm. Lucif. | (ερωτα C.)
— λαβειν ABNCE. 13. 61. | om. D. 31. Syr. Hcl. Lucif. || add. παρ' αυτων E. (Memph.)
4. ἀτενίσας δε] εμβλεψας δε ὁ D.

4. εις] προς N.
— συν τη Ιωανη] συν Ιωαννη και D*. (ctra, Lucif. 199.)
— βλεψον] ατενισουν D.
5. επειχεν Lucif. 199. | ατενισας D.
— τι παρ' αυτων λαβειν ABNC(C) rel. Syr. Hcl. Arm. (αυτων C.) | τι λαβειν παρ' αυτων D. Vulg. (Lucif.) | λαβειν τι παρ' αυτων E. Memph. Theb. accipere ab iis aliquid. Syr. Pst. [Æth.]
6. ειπεν δε Πετρος BN(D)E. 13. 31. 61. Syr. (Pst.) & Hcl. Arm. Æth. Cypr. 323. Lucif. 199. (ὁ Πετρ. D) | Πετρος δε ειπεν AC. Vulg. Memph. Theb.
— ουκ NC.
— Ναζοραιου N*CD. (-ρευ C.) Iren. 74. Cypr. 323. | om. Orig. Int. ii. Hil. 287^e.
— εγειρε και AE. 31. 61. Vulg. Syrr. (Pst.) & Hcl. Memph. Arm. Æth. (vid. Lu. v. 23. etc.) | † εγειραι και ̅. C. 13. Iren. 194. Orig. Int. ii. 105^b. iv.

46. domos Cl.
3. templum Cl.